हैंड आऊट

(याद रखने वाले मुख्य सन्देश)

सामुदायिक सहभागिता

हम और हमारे आस - पास रहने वाले लोगों से मिलकर समाज बनता है |

समाज में रहने वाले हर व्यक्ति की एक भूमिका होती है और वह उस भूमिका के अनुसार काम करता है|

समाज में कुछ लोगों से हमारा मिलना-जुलना रोज होता है जैसे - माता - पिता, भाई-बहन, दादा - दादी, चाचा - चाची, परिवार के अन्य सदस्य, पड़ोसी, दोस्त, शिक्षक आदि । समाज में कुछ लोगों से हमारा मिलना कभी - कभी होता है जैसे - दर्जी, नाई, जूते बनाने वाला, साइकल सुधारने वाला, डॉक्टर, पुलिस, सरपंच आदि| समाज में हमसे कई लोग जुड़े होते हैं जैसे - परिवार, मित्र, धार्मिक समूह, राजनैतिक समूह, जनसंचार, कार्यस्थल से जुड़े लोग, सांस्कृतिक परिवेश वाले अलग - अलग समूह, शैक्षणिक संस्थान आदि |

- समाज से जुड़े हर व्यक्ति से हम कुछ नया सीखते हैं, जैसे परिवार से हम भाषा को समझना, रिश्तों को समझना, समाज से जुड़ना, नैतिकता, व्यवहार आदि सिखाते हैं|
- समाज के कई लोगो का योगदान होता है, कोई भी व्यक्ति अकेला नहीं जी सकता है |
- हर मनुष्य का अपना-अपना शक्ति-सामर्थ्य होता है, इसीलिए जरूरी नहीं है कि जो काम कोई दूसरा कर सकता है वह काम मैं भी कर पाऊं| और जो मैं कर सकता/सकती हूँ, वह जरूरी नहीं कोई दूसरा भी कर पाए|
- यदि किसी व्यक्ति ने हमारे जीवन में छोटी सी भी भूमिका निभाई हो तो उसका सम्मान करना चाहिए और उनके प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए |
- समाज में सभी लोग एक-दूसरे पर निर्भर होते है| इसीलिए प्रत्येक व्यक्ति अपने देश की उन्नति में छोटे से छोटा योगदान दे सकता है|

समुदाय उस छोटे या बड़े समूह को कहते हैं, जिसके सभी सदस्य किसी क्षेत्र की सीमा में इस प्रकार समग्र जीवन बिताते हैं, कि वे किसी विशेष हित की पूर्ति मात्र ही नहीं, बल्कि सामान्य जीवन की सभी बुनियादी शर्तों की पूर्ति में पारस्परिक सहयोग करते हैं।

- समाज में रहकर हमें कुछ अधिकार मिलते हैं इन अधिकार के साथ ही हमारे कुछ कर्तव्य भी हैं, क्योंकि अधिकार और कर्तव्य का बड़ा घनिष्ठ संबंध है।
- देश की संप्रभुता, एकता और अखण्डता; पर्यावरण संरक्षण, विरासत तथा संस्कृति संरक्षण, देश की उन्नति आदि हमारी जिम्मेदारी हैं |
- **हमारी सार्वजनिक संपत्ति जैसे रेलवे, बस, सार्वजानिक भवन जैसे अस्पताल, स्कूल व नदियों आदि अर्थात् राष्ट्रीय संसाधनों को नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए यह भी हमारी एक सामाजिक जिम्मेदारी है |**

- अपने अधिकारों के साथ जिम्मेदारियों को समझना और समाज के अन्य प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ मिलकर कार्य करना, राष्ट्र के विकास के लिए जरूरी है|

राष्ट्रीय विकास के लिए चलाए किसी न किसी कार्यक्रम में अपनी इच्छा से जब लोग कुछ न कुछ योगदान करें तो उसे सहभागिता का नाम दिया जाता है।

- सहभागिता बहुआयामी एवं गतिशील प्रक्रिया है। यह कई रूप लेती है और योजना चक्र के दौरान बदलती रहती है।
- समुदाय के हितों एवं आवश्यकताओं के आधार पर देश काल के अनुरूप इसके रूप में बदलाव आता रहता है।
- गाँव में/समाज में किसी भी तरह का बदलाव लाने के लिए सामुदायिक सहभागिता बहुत जरूरी है।
- इसके लिए सभी को मिलकर एक अच्छी कार्ययोजना बनाकर उस पर अमल करना बहुत जरूरी है।
- समुदाय को जागरूक करने के लिए एक समिति बना सकते हैं जिसमें समुदाय के विभिन्न वर्गों के प्रभावशाली व्यक्तियों जैसे - एएचसी, प्रधानाध्यापक, सरपंच, आशा दीदी, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता, सभी का मार्गदर्शन/सहयोग लेकर कार्य करना होगा।
- किसी भी कल्याणकारी योजना/कार्यक्रम में समुदाय को जोड़ने से समाज के सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कार्यक्रम के बेहतर संचालन के लिए किया जा सकता है।
- कुछ गतिविधियाँ समाज को जोड़ने के लिए आयोजित की जा सकती हैं जैसे- रैली, नुक्कड़ नाटक, पालक शिक्षक संघ की बैठक, ग्राम पंचायत की बैठक, युवा समूहों की बैठक, गाँव के सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि आयोजनों में कार्यक्रम के बारे में चर्चा आदि।

सामुदायिक सहभागिता का समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है साथ ही आयोजनकर्ता का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। अतः समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सामुदायिक सहभागिता के कौशल का विकास कर हम इसकी पहल कर सकते हैं |